रेस्पिरेटरी सिंसिटिअल व्हायरस आरएसव्ही

रेस्पिरेटरी सिन्सिशिअल व्हायरस (आरएसव्ही) संक्रमण क्या है?

आरएसवी संक्रमण एक ऐसी स्थिति है जो निचले वायुमार्ग और फेफड़ों की सूजन का कारण बनती है। सूजन से बच्चे के लिए सांस लेना मुश्किल हो सकता है। आरएसवी वायरस शिशुओं और छोटे बच्चों में फेफड़ों के संक्रमण का सबसे आम कारण है। RSV संक्रमण किसी भी उम्र में हो सकता है, लेकिन यह 2 साल से कम उम्र के बच्चों में अधिक बार होता है। आरएसवी संक्रमण आमतौर पर 5 से 15 दिनों तक रहता है। आरएसवी संक्रमण शरद ऋतु और सर्दियों में सबसे आम है। आरएसवी संक्रमण अक्सर अन्य फेफड़ों की समस्याओं का कारण बनता है, जैसे ब्रोंकाइटिस या निमोनिया।

आरएसवी वायरस कैसे फैलता है?

आरएसवी अत्यधिक संक्रामक है। खांसने, छींकने या निकट संपर्क से वायरस फैल सकता हैं।

आरएसवी संक्रमण का खतरा कब बढ़ जाता है?

- समय से पहले जन्म (37 सप्ताह से कम) या कम वजन (5 पाउंड से कम)
- आयु 6 महीने से कम
- चिकित्सा स्थिति, जैसे हृदय की समस्या या सिस्टिक फाइब्रोसिस
- एचआईवी या अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण जैसी विशिष्ट स्थितियों के कारण कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली
- सेकेंड हैंड सिगरेट के धुएं का संपर्क

आरएसवी संक्रमण के शुरुआती लक्षण और लक्षण क्या हैं?

- बहती नाक
- खांसी या घरघराहट
- बुखार
- सामान्य से अधिक तेजी से सांस लेना
- हमेशा की तरह भूख या नींद में कमी

आरएसवी संक्रमण का निदान कैसे किया जाता है?

- परीक्षण के लिए नाक का स्वॅब और / या नाक के म्यूकोसा का परीक्षण किया जा सकता है।

आरएसवी का इलाज कैसे किया जाता है?

- 4 साल से कम उम्र के बच्चों को बिना पर्ची के मिलने वाली खांसी या सर्दी की दवा न दें।
- एसिटामिनोफेन दर्द और बुखार को कम करने में मदद कर सकता है।
- NSAIDs, जैसे कि इबुप्रोफेन, सूजन, दर्द और बुखार को कम करने में मदद करते हैं। अपने बच्चे के डॉक्टर की सलाह के बिना 6 महीने से कम उम्र के बच्चों को कोई भी दवा न दें।

इलाज

- आराम बच्चे के शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।
- बच्चे को खूब सारे तरल पदार्थ दें। जो बलगम को पतला और ढीला करने में मदद करता है। कैफीन युक्त तरल पदार्थ न दें। कैफीन निर्जलीकरण के जोखिम को बढ़ा सकता है।

Reference: Micromedex's Care Notes System Online 2.0

- बच्चे के कमरे में कोल्ड मिस्ट ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें।
- बच्चे को धुएं से दूर रखें। सिगरेट और सिगार में निकोटीन और अन्य रसायन बच्चों के लक्षणों को बदतर बना सकते हैं।
- अपने हाथ और अपने बच्चे के हाथ बार-बार धोएं।